BPYC-132

स्नातक

सत्रीय कार्य 2022-23

BPYC–132

नीतिशास्त्र

अंतःविषयक एवं पराविषयक अध्ययन विद्यापीठ

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-68

प्रिय विद्यार्थी,

यह सत्रीय छह क्रेडिट के बीपीवाईसी-132 नीतिशास्त्र का अध्यापक मूल्यांकित सत्रीय कार्य है। इस सत्रीय कार्य के अधिकतम अंक 100 हैं और इसका भारांक 30 प्रतिशत है।

इस सत्रीय कार्य में दीर्घौत्तरीय, लघु उत्तरीय और लघु टिप्पणी वाले प्रश्न हैं। सत्रीय कार्य को आरम्भ करने के पहले पाठ्यक्रम पुस्तिका में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह महत्वपूर्ण है कि सभी प्रश्नों के उत्तर स्वयं अपने शब्दों में लिखें। प्रश्नों के उत्तर खण्ड के लिए निर्धारित शब्द-सीमा में होना चाहिए। प्रश्नोत्तर का यह अभ्यास आपकी लेखन क्षमता में सुधार करके अन्तिम मुख्य परीक्षा के लिए आपको तैयार करेगा।

सत्रीय कार्य को निर्धारित समय में जमा करने पर ही आपका अभ्यर्थन स्वीकृत होगा। सत्रीय कार्य को पूरा करने की समय-सीमा निम्नवत् है:-

सत्र	**अन्तिम तिथि**	**किसे जमा किया जाए**
जुलाई, 2022 सत्र	अप्रैल 30, 2023	अध्ययन केन्द्र के समन्वयक को
जनवरी, 2023	अक्टूबर 31, 2023	अध्ययन केन्द्र के समन्वयक को

सत्रीय कार्य को जमा करने की पावती को अध्ययन-केन्द्र से अवश्य लें और पावती को सम्भालकर रखें। सत्रीय कार्य की प्रतिलिपि को भी सुरक्षित रखें।

मूल्यांकन के पश्चात् अध्ययन-केन्द्र आपके सत्रीय कार्य को वापिस कर देगा। इस हेतु अध्ययन-केन्द्र से सुदृढ़ प्रार्थना करें। अध्ययन-केन्द्र आपके प्राप्तांक को विद्यार्थी मूल्यांकन केन्द्र, इग्नू नई दिल्ली को भेजेगा।

शुभकामनाओं सहित!

BPYC-132 नीतिशास्त्र

(अध्यापककृत मूल्यांकित सत्रीय कार्य)

कोर्स कोड: BPYC-132

सत्रीय कार्य: BPYC-132/ASST/TMA/2022-23

अधिकतम अंक: 100

नोट:

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी पांच प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 एवं 2 के उत्तर लगभग 400-400 शब्दों में दीजिए।**

1. लैंगिक हिसा क्या है? लैंगिक हिंसा में लैंगिक भेदभाव की भूमिका पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिए। इससे मुक्ति के कुछ उपाय बताइये। 20

   अथवा

   क्या आप सहमत हैं कि नैतिक कृत्य स्वतन्त्रता/स्वायत्तता को अन्तर्निहित करते हैं? नैतिक व्यवहार में संकल्प-स्वातन्त्र्य की भूमिका की चर्चा कीजिए। 20

2. क्या आप ऐसा सोचते हैं कि नैतिक सिद्धान्त अपनी प्रकृति में सार्वभौमिक होते हैं? इस विषय पर वस्तुवादी और सापेक्षतावादी के विचारों का मूल्यांकन कीजिए। 20

   अथवा

   थॉमस अक्विनास का प्राकृतिक नैतिक नियम का विचार क्या है? प्राकृतिक नैतिक नियम के विरुद्ध क्या आपत्तियां हैं? 20

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो का उत्तर लगभग 250-250 शब्दों** में दीजिए। 2*10= 20

   अ) क्या आप सहमत हैं कि नैतिकता के क्षेत्र में विज्ञान सहायक हो सकता है? अपने उत्तर के समर्थन में तर्क दीजिए। 10

   आ) "आत्महत्या नैतिक रूप से गलत है।" इस विचार को सिद्ध करने के लिए विभिन्न प्रकार की युक्तियां प्रस्तुत कीजिए। 10

   इ) एन्सकोम्बे का सद्‌गुण का विचार क्या है? एन्सकोम्बे किस आधार पर मिल और काण्ट की आलोचना करती हैं? 10

ई) प्राकृतिक दोष क्या है? व्याख्या कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार का उत्तर लगभग 150-150 शब्दों** में दीजिए। 4*5= 20

अ) सोपाधिक आदेश के विचार की सोदाहरण संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 5

आ) संकल्प-स्वातन्त्र्य के विषय में नियतत्ववाद और अनियतत्ववाद की तुलना कीजिए। 5

इ) "नैति कथन सत्य या असत्य नहीं हो सकते हैं।" क्या आप इस विचार से सहमत हैं? अपने उत्तर के पक्ष में युक्ति प्रस्तुत कीजिए। 5

ई) नियामक सापेक्षतावाद और वर्णनात्मक सापेक्षतावाद में भेद कीजिए। 5

उ) हमें नैतिक क्यों होना चाहिए? चर्चा कीजिए। 5

ऊ) प्लेटो के चार सद्गुण क्या हैं? संक्षेप में व्याख्या कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच पर 100-100 शब्दों** में लघु टिप्पणी लिखिए। 5*4= 20

अ) शुभेच्छा 4

आ) भ्रांत अंतःकरण 4

इ) सुखवाद 4

ई) प्रतिबिम्बित नैतिकता 4

उ) निष्काम कर्म 4

ऊ) स्वधर्म 4

ऋ) उदार सद्गुण 4

ऌ) अनुप्रयुक्त नीतिशास्त्र 4